# गैर-नवीकरणीय ऊर्जा को बदलने को व्यवस्थित परिवर्तन की आवश्यकता

जासं, रांची : आइआइएम रांची ने प्रबंधन नगर रांची में अपने स्थाई परिसर में टेड-एक्स आइआइएम रांची के 9वें संस्करण की मेजबानी की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन व राष्ट्रीय गीत से हुई। आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन विचारों का उत्सव है। उन्होंने विचारों की शक्ति पर जोर दिया और बताया कि कैसे वे एक बेहतर दुनिया के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों को विचार करने और प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया, परिणाम की परवाह किए बिना अनुभव से सीखते हुए...। दर्शकों को टेड-एक्स परिचय वीडियो चलाकर कार्यक्रम से परिचित कराया गया। इस आयोजन का विचारों और समुदायों को एक साथ लाने का समृद्ध इतिहास रहा है।

आयोजन में नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं • जागरण

रिसर्च एंड एक्शन फार डेवलपमेंट (आईआरएडीई) नई दिल्ली के कार्यकारी निदेशक डा. ज्योति के पारेख ने बताया कि जलवायु परिवर्तन पर प्रधानमंत्री की परिषद भारत के सदस्य के रूप में कार्य करने के बाद वह आइपीसीसी लेखकों की टीम का हिस्सा थीं। जिसे 2007 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने ऊर्जा के विभिन्न हरित स्त्रोतों और उन्हें तैनात करने के तरीकों के बारे में बात की। उन्होंने सुझाव दिया कि अक्षय ऊर्जा को शुरू करने और गैर-नवीकरणीय ऊर्जा को बदलने के लिए व्यवस्थित परिवर्तन की आवश्यकता है।

• आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा, यह आयोजन विचारों का उत्सव है, विचारों की शक्ति पर जोर दिया और बताया कि कैसे वे एक बेहतर दुनिया के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण

## शेफ अजय चोपड़ा ने पाक कला से कराया रू-ब-रू

सत्र के दूसरे वक्ता शेफ अजय चोपड़ा पिछले तीन दशकों से भारतीय पाक जगत में एक जाना-पहचाना नाम रहे हैं। शेफ अजय चोपड़ा मास्टरशेफ इंडिया, हाय टी और नार्दर्न फ्लेवर्स जैसे कुछ टाप रेटेड टीवी शो में काम कर चुके हैं। मास्टरशेफ ने पाक कला की दुनिया की यात्रा कराकर दर्शकों को एक नया नजरिया दिया। बताया कि कैसे एक शेफ अपने पेशेवर जीवन की अराजकता और दबाव के साथ संगीत कार्यक्रम करता है। इसके बाद राजन सिंह ने अपना टेड-एक्स टाक दिया। वह एक स्टार्ट-अप हैबिटस्ट्रांग के संस्थापक हैं। लोगों को सलाह दी कि वे अपने आसपास की अराजकता के बीच ध्यान केंद्रित करें और कैसे निपटना चाहिए। पत्रकार दीपिका नारायण भारद्वाज ने बताया कि कैसे बदलते लिंग मानदंडों वाली दुनिया में हमें अन्याय की अराजकता से बचने के लिए याद रखना चाहिए। मान्या सिंह दर्शकों को अपनी मिस इंडिया यात्रा के बारे में बताया और समझाया कि जीवन आसान नहीं है, लेकिन अराजक और सुंदर है।

Dainik Jagran, 05.02.2023, Pg. 08